



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
२५७१८ जून २०२३

दिनांक
१०.७.२३

पृष्ठ संख्या
२

कॉलम
१-५

राष्ट्र की उन्नति के लिए व्यक्तित्व, राष्ट्रत्व व मानवत्व में सामंजस्य जरूरी : कुठियाला

हफ्ते के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के सभागार में संगोष्ठी का आयोजन

जगण संवाददाता, हिसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को 'मानवत्व, राष्ट्रत्व, व्यक्तित्व व क्रमिक विकास' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता पंचनद शोध संस्थान, अध्ययन केंद्र, चंडीगढ़ व हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर बीके कुठियाला रहे। उन्होंने कहा कि हम कौन हैं, हमारी पहचान, अस्तित्व, दूसरों से संबंध व निर्भरता क्या है, इन सभी जिज्ञासाओं का उत्तर व्यक्तित्व-राष्ट्रत्व व मानवत्व के शाविक अर्थों में छिपा है। क्रमबद्ध तरीके से पहली व्यक्ति की खुद की पहचान फिर राष्ट्र और उसके बाद एक-दूसरे के बीच सामंजस्य बढ़ाकर एक अलग ही पहचान देना क्रमिक विकास कहलाता है।

प्रो. कुठियाला ने बताया कि यदि व्यक्ति को जिंदगी में सफल होना है और मोक्ष प्राप्त कर नह से नारायण बनना है तो व्यक्तित्व, राष्ट्रत्व व मानवत्व के बीच सामंजस्यता व सकारात्मक सोच को अपनाना होगा।



इन्होंने बताया कि 1400 वर्ष पूर्व हमें भारतवासी, भारतीय, भारतवर्ष या किर आयोगत कहा जाता था। अग्रेजों ने हमारी पहचान इंडियन बनाई। हमारे देश का इतिहास 20 हजार साल पुराना है। सब मानते हैं कि बहुत लश काल ऐसा रहा कि हम दुनिया में सर्वश्रेष्ठ संस्कृति, सामंज और मजबूत राष्ट्र के रूप में जाने जाते थे। इसलिए हम दुनिया के सामने उदाहरण के तौर पर उभरे हैं।

1400 ईस्वी तक भारत की जीड़ीपी सबसे अधिक थी

उन्होंने बताया कि यूरोपियन यूनियन ने अर्थशास्त्री एगस्ट मेडिसन को दुनिया के अर्थशास्त्र विषय पर जीरो से शुरुआत कर इतिहास लिखने को कहा। तीन साल बाद इस अर्थशास्त्री ने ढाटा सहित रिपोर्ट पेश भी की। इस रिपोर्ट में बताया गया कि प्राचीन काल में 1400 ईस्वी तक भारत की जीड़ीपी व अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अन्य देशों की तुलना में सबसे अधिक था। हमारे देश का इतिहास सबसे पुराना व सबसे समृद्ध रहा है।

ये रहे उपस्थित

इससे पूर्व विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. मंजु महता ने अतिथियों का स्वागत किया जबकि अधिकारी डा. नीरज कुमार ने घन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस अवसर पर पंचनद शोध संस्थान अध्ययन केंद्र हिसार के अध्यक्ष डा. जगदीप सिंह, उपाध्यक्ष प्रो. अवनीश वर्मा, सलाहकार ज्ञानवंद बंसल सहित विभिन्न महाविद्यालय के अधिकारी, विभागाध्यक्ष, शिक्षाविद, वैज्ञानिक, शोधार्थी उपस्थित रहे।

तभी उसका क्रमिक विकास संभव साथ हम जिंदगी में आगे बढ़ते हैं और बढ़ाकर अपना स्वयं का विनाश है। अगर नकारात्मक दृष्टिकोण के तो हम मानस से दानव प्रवृत्ति की करेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
‘अभूतजाता’	१०.७.२३	५	५६

‘राष्ट्र की उन्नति के लिए व्यक्तित्व मानवत्व के बीच सामंजस्य जरूरी’



एचएयू में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते प्रो. बीके कुठियाला। संवाद

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। एचएयू के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के सभागार में शनिवार को ‘मानवत्व, राष्ट्रत्व, व्यक्तित्व व क्रमिक विकास’ विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता पंचनद शोध संस्थान, अध्ययन केंद्र, चंडीगढ़ व हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के पूर्व अध्यक्ष प्रो. बीके कुठियाला ने कहा कि राष्ट्र की उन्नति के लिए व्यक्तित्व, राष्ट्रत्व व मानवत्व के बीच सामंजस्य जरूरी है।

प्रो. कुठियाला ने कहा कि पहले व्यक्ति की खुद की पहचान, फिर राष्ट्र और उसके बाद एक-दूसरे के बीच सामंजस्यता बढ़ाकर एक अलग ही पहचान देना क्रमिक विकास कहलाता है। हमारे देश का इतिहास 20 हजार साल पुराना है।

एचएयू के सभागार में आयोजित संगोष्ठी में बताए गये विषय

यूरोपियन युनियन ने अर्थशास्त्री एंसर्स मेडिसन की रिपोर्ट में बताया गया कि प्राचीन काल में 1400 ईवी तक भारत का जीडीपी व अंतरराष्ट्रीय व्यापार अन्य देशों की तुलना में सबसे अधिक था। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू मेहता ने अतिथियों का स्वागत व मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन मोहित कुमार ने किया। इस अवसर पर हिसार के अध्यक्ष डॉ. जगबीर सिंह, उपाध्यक्ष प्रो. अवनीश वर्मा, सलाहकार ज्ञानचंद बसल आदि मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम पंजाब के सरी	दिनांक १०-७-२३	पृष्ठ संख्या ३	कॉलम १-२
------------------------------------	-------------------	-------------------	-------------

राष्ट्र की जमति के लिए व्यक्तित्व, राष्ट्रत्व व मानवत्व के बीच सामंजस्य जल्दी : प्रो. कुठियाला

हकूमि जनव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के सभागार ने संगोष्ठी आयोजित

हिसार, ४ जुलाई (ब्यूरो) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के सभागार में 'मानवत्व, राष्ट्रत्व, व्यक्तित्व व क्रमिक विकास' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता पंचनद शोध संस्थान, अध्ययन केंद्र, चंडीगढ़ व हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. कुठियाला उपस्थित रहे।

मुख्य वक्ता प्रो. डॉ. कुठियाला ने कहा कि हम कौन हैं, हमारी पहचान, अस्तित्व, कार्यक्रम का संबोधित करते हुसरों से संबंध व निर्भरता क्या है, इन सभी जिज्ञासाओं का उत्तर व्यक्तित्व-राष्ट्रत्व व मानवत्व के डॉ. कुठियाला के विविध अर्थों में छिपा है और क्रमबद्ध तरीके से पहले व्यक्ति की खुद की पहचान फिर राष्ट्र और उसके बाद एक-दूसरे के बीच सामंजस्यता बढ़ाकर एक अलग ही पहचान देना क्रमिक विकास कहलाता है। उन्होंने बताया कि यदि व्यक्ति को जिंदगी में सफल होना है और मोक्ष प्राप्त कर न से नारायण बनना है तो व्यक्तित्व, राष्ट्रत्व व मानवत्व के बीच सामंजस्यता व सकारात्मक सोच को अपनाना होगा। तभी उसका क्रमिक विकास संभव है। अगर नकारात्मक दृष्टिकोण के साथ हम जिंदगी में आगे बढ़ते हैं तो हम

मानस से दानव प्रवृत्ति की ओर बढ़कर अपना स्वयं का विनाश करेंगे।

उन्होंने बताया कि 1400 वर्ष पूर्व हमें भारतवासी, भारतीय, भारतवर्ष या फिर आर्यक्रत कहा जाता था। अंग्रेजों ने हमारी पहचान इंडियन बनाई। हमारे देश का इतिहास 20 हजार साल पुराना है।

सब मानते हैं कि बहुत लंबा काल ऐसा रहा कि हम दुनिया में सर्वत्रेष्ठ संस्कृति, समाज और मजबूत राष्ट्र के रूप में जाने जाते थे। इसलिए हम दुनिया के सामने उदाहरण के तौर पर उभरे हैं।

इससे पूर्व विश्वविद्यालय के मंजू मेहता ने स्वागत किया, जबकि शास्त्रिक अर्थों में छिपा है और मंजू मेहता ने स्वागत किया। साथ ही महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. नीरज कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। साथ ही मंच संचालन मोहित कुमार ने किया। इस अवसर पर पंचनद शोध संस्थान, अध्ययन केंद्र, हिसार के अध्यक्ष डॉ. जगवीर सिंह, उपाध्यक्ष प्रो. अवनीश वर्मा, सलाहकार ज्ञानचंद बंसल अन्य सदस्यगण, शहर के गणमान्य व्यक्ति सहित विश्वविद्यालय से जुड़े विभिन्न महाविद्यालय के अधिकारी, विभागाध्यक्ष, शिक्षाविद्, वैज्ञानिक, शोधार्थी सहित अन्य कमंचारी भी शामिल हुए।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समस्त्रार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
टी २ . भूमि	१०. ७. २३	१	४-८

हक्कि के सभागार ने संगोष्ठी में बोले प्रोफेसर बीके कुठियाला

सामंजस्य बढ़ाकर अलग पहचान देना क्रमिक विकास

हरियाणा न्यूज़ || हिसार

पंचनद शोध संस्थान, अध्ययन केंद्र, चंडीगढ़ व हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर बीके कुठियाला का कहना है कि राष्ट्र की उन्नति के लिए व्यक्तित्व, राष्ट्रत्व व मानवत्व के बीच सामंजस्य जरूरी है। उन्होंने कहा कि हम कौन हैं, हमारी पहचान, अस्तित्व, दृष्टि से संबंध व निर्भरता क्या है, इन सभी जिज्ञासाओं का उत्तर व्यक्तित्व-राष्ट्रत्व व मानवत्व के शास्त्रिक अर्थों में छिपा है और क्रमबद्ध तरीके से पहले व्यक्ति की खुद की पहचान फिर राष्ट्र और उसके बाद



हिसार। हक्कि के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के सभागार में व्यक्तिगत संगोष्ठी को संबोधित करते प्रोफेसर बीके कुठियाला।

व्यक्तित्व, राष्ट्रत्व व मानवत्व के बीच सामंजस्यता व सकारात्मक सोच को अपनाना होगा, तभी उसका क्रमिक विकास संभव है। अगर नकारात्मक दृष्टिकोण के साथ हम जिंदगी में आर्ग बढ़ते हैं तो हम मानव से दानव प्रवृत्ति की ओर बढ़कर अपना स्वयं का विनाश करेंगे। उन्होंने बताया कि 1400 वर्ष पूर्व हमें भारतवासी, भारतीय, भारतवर्ष या फिर आर्यद्रवत कहा जाता था। अंग्रेजों ने हमारी पहचान इंडियन बनाई। हमारे देश का इतिहास 20 हजार साल पुराना है। सब मानते हैं कि बहुत लंबा काल ऐसा रहा कि हम दुनिया में सर्वश्रेष्ठ संस्कृति, समाज और मजबूत राष्ट्र

के रूप में जाने जाते थे, इसलिए हम दुनिया के सामने उदाहरण के तौर पर उभरे हैं। यूरोपियन यूनियन ने अर्थशास्त्री एंगर्स मेडिसन को दुनिया के अर्थशास्त्र विषय पर जीरो से शुरूआत कर इतिहास लिखने को कहा। तीन साल बाद इस अर्थशास्त्री ने डाटा सहित रिपोर्ट पेश भी की। इससे पूर्व विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू मेहता ने स्वागत किया। इस अवसर पर पंचनद शोध संस्थान, अध्ययन केंद्र, हिसार के अध्यक्ष डॉ. जगद्वीर सिंह, उपाध्यक्ष प्रो. अवनीश बर्मा, सलाहकार ज्ञानवंद बंसल अन्य सदस्य अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

एक-दूसरे के बीच सामंजस्यता बढ़ाकर एक अलग ही पहचान देना व्यक्तित्व व क्रमिक विकास कहलाता है। प्रो. बीके कुठियाला एचएयू के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के सभागार में मानवत्व, राष्ट्रत्व,

पर एक संगोष्ठी को मुख्य वक्ता के तौर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि यदि व्यक्ति को जिंदगी में सफल होना है और घोक्ष प्राप्त करने से नारायण बनना है तो



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्पर्चार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
३१-६ भाई ५२	९-७-२३	२	५-६

हकृति के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के सभागार में संगोष्ठी व्यक्तित्व, राष्ट्रत्व व मानवत्व के बीच सामंजस्य होना चाहिए : प्रो. कुठियाला

मासिक पत्र | लिखा

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के सभागार में 'मानवत्व, राष्ट्रत्व, व्यक्तित्व व क्रमिक विकास' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता पंचनद शोध संस्थान, अध्ययन केन्द्र, चंडीगढ़ व हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के पर्व अध्यक्ष प्रोफेसर बी.के. कुठियाला रहे। उन्होंने कहा हम कौन हैं हमारी पहचान, अस्तित्व, दूसरों से संबंध व निर्भरता क्या है, इन सभी जिज्ञासाओं का उत्तर व्यक्तित्व-राष्ट्रत् व व



मुख्य वक्ता प्रोफेसर बी.के. कुठियाला संबोधित करते हुए।

मानवत्व के शाब्दिक अर्थों में छिपा है। इससे पूर्व विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु मेहता ने अतिथियों का स्वागत किया,

जबकि मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. नीरज कुमार ने धन्यवाद प्रतिवाद पारित किया। साथ ही मंच संचालन मोहित कुमार ने किया। इस अवसर पर पंचनद शोध संस्थान, अध्ययन केन्द्र, हिसार के अध्यक्ष डॉ. जगवीर सिंह, उपाध्यक्ष प्रो. अवनीश वर्मा, सलाहकार ज्ञानवंद बंसल अन्य सदस्यों, शह के विभिन्न संस्थानों के गणमान्य व्यक्ति सहित विश्वविद्यालय से जुड़े विभिन्न महाविद्यालय के अधिकारी, विभागाध्यक्ष, शिक्षाविद्, वैज्ञानिक, शोधार्थी सहित अन्य कर्मचारी भी शामिल हुए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सभ न्यू	१०.७.२३	५	।

**हक्किं सभागार में
संगोष्ठी का आयोजन**
हिसार (सच छूँ न्यूज)। चौधरी
चरण सिंह हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय के मानव संसाधन
प्रबंधन निदेशालय के सभागार में
मानवत्व, राष्ट्रत्व, व्यक्तित्व व क्रमिक
विकास विषय पर एक संगोष्ठी का
आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य
वक्ता पवनद शोध संस्थान, अध्ययन
केन्द्र, चडीगढ़ व हरियाणा राज्य उच्च
शिक्षा परिषद के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर
बीके कुटियाल उपस्थित रहे। मुख्य
वक्ता प्रोफेसर बी.के. कुटियाल ने
अपने संबोधन में कहा कि हम कौन
हैं, हमारी पहचान, अस्तित्व, दूसरों से
संबंध व निर्भरता क्या है, इन सभी
जिज्ञासाओं का उत्तर व्यक्तित्व-
राष्ट्रत्व व मानवत्व के शान्दिक अर्थों
में लिया है और क्रमबद्ध तरीके से
पहले व्यक्ति की खुट की पहचान फिर
राष्ट्र और उसके बाद एक-दूसरे के
बीच सम्बंजस्यता बढ़ाकर एक अलग
ही पहचान देना क्रमिक विकास
कहलाता है। उन्होंने बताया कि यदि
व्यक्ति को जिदी में सफल होना है
और मोक्ष ग्रास कर नर से नारायण
बनना है तो व्यक्तित्व, राष्ट्रत्व व
मानवत्व के बीच सम्बंजस्यता व
सकारात्मक सोच को अपनाना होगा।
इस अवसर पर मानव संसाधन
प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू मेहता,
मौलिक विज्ञान एवं मानविकी
महाविद्यालय के अधिकारा डॉ.
नीरज कुमार, पवनद शोध
संस्थान, अध्ययन केन्द्र के अध्यक्ष
डॉ. जगदीर सिंह, उपाध्यक्ष प्रौ.
अवनीश घर्मा, सलाहकार ज्ञानवद
द्वेष्टि ग्रहित अन्य कर्मचारी भी
शहमेल हुए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत सभाभाषण	१०-७-२३	५	५-८

राष्ट्र की उन्नति के लिए व्यक्तित्व, राष्ट्रत्व व मानवत्व के बीच सामंजस्य जरूरी : प्रो. बी.के. कुल्याला

हकूमि के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के सभागार में संगोष्ठी का आयोजन

हिसार, ४ जुलाई (ऐसन्द वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के सभागार में 'मानवत्व, राष्ट्रत्व, व्यक्तित्व व क्रमिक विकास' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता पंचनद शोध संस्थान, अध्ययन केंद्र, चंडीगढ़ व हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर बी.के. कुल्याला उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता

या फिर आर्थवत कहा जाता था। अंग्रेजों ने हमारी पहचान इंडियन बनाई। हमारे देश का इतिहास २० हजार साल पुराना है। सब मानते हैं कि बहुत लंबा काल ऐसा रहा कि हम दुनिया में सर्वश्रेष्ठ संस्कृति, समाज और मजबूत राष्ट्र के रूप में जाने जाते थे। इसलिए हम दुनिया के सामने उदाहरण के तौर पर उभे हैं। उन्होंने बताया कि यूरोपियन यूनियन ने अर्थशास्त्री एंगर्स

शहदत को स्वीकार किया और एक इच्छा व्यक्त की थी कि मैं अलगा जन्म भी इसी भारत में लू। ये व्यक्तित्व से राष्ट्रत्व का विकास है। कोविड के दौरान जिन देशों ने वैक्सीन की मात्रा की तो लगभग हर देश को भारत ने वैक्सीन उपलब्ध करवाई, ये मानत्व है। जो मेरी तरह नहीं सोचता था उसको जीने का अधिकार नहीं है यह मानत्व का विपरित उदाहरण है। आपका व्यवहार, आचरण आपको मानव, दानव या फिर नारायण बनाता है। व्यक्ति के आंतरिक सोच में तीन महत्वपूर्ण बहते रहती हैं, जिनमें हम अपने बारे में क्या सोचते हैं, दूसरे हमारे बारे में क्या सोचते हैं और हम दूसरों के बारे में क्या सोचते हैं। इससे पूर्व विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू मेहता ने स्वागत किया, जबकि मौलिक विज्ञान एवं गानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार



मंच पर बैठे प्रोफेसर बी.के. कुल्याला सवालों के जवाब देते हुए।

क्रमिक विकास कहलाता है। उन्होंने बताया कि यदि व्यक्ति को जिंदगी में सफल होना है और मोक्ष प्राप्त कर न र से नारायण बनना है तो व्यक्तित्व, राष्ट्रत्व व मानवत्व के बीच सामंजस्यता व सकारात्मक सोच को अपनाना होगा। तभी उसका क्रमिक विकास संभव है। अगर नकारात्मक दृष्टिकोण के साथ हम जिंदगी में आगे बढ़ते हैं तो हम मानस से दानव प्रवृत्ति की ओर बढ़कर अपना स्वर्य का बिनाश करेंगे। उन्होंने बताया कि 1400 वर्ष पूर्व हमें भारतवासी, भारतीय, भारतवर्ष

मेडिसिन को दुनिया के अर्थशास्त्र विषय पर जीरो से शुरुआत कर इतिहास लिखने को कहा। ३ साल बाद इस अर्थशास्त्री ने डाटा सहित रिपोर्ट पेश भी की। इस रिपोर्ट में बताया गया कि प्रातीन काल में 1400 ई.बी. तक भारत का जीडीपी व अंतरराष्ट्रीय व्यापार अन्य देशों की तुलना में सबसे अधिक था। हमारे देश का इतिहास सबसे पुराना व सबसे समृद्ध रहा है। उन्होंने बताया कि क्रांतिकारी भगत सिंह जैसे अनेकों शहीदों ने

मोहित कुमार ने किया। इस अवसर पर पंचनद शोध संस्थान, अध्ययन केंद्र, हिसार के अध्यक्ष डॉ. जगवीर सिंह, उपाध्यक्ष प्रो. अवनीश वर्मा, सलाहकार जानकी बंसल अन्य सदस्यण, शहर के विभिन्न संस्थानों के गणनाव्य व्यक्ति सहित विश्वविद्यालय से जुड़े विभिन्न महाविद्यालय के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षाविद, वैज्ञानिक, शोधार्थी, सहित अन्य कर्मचारी भी शामिल हुए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	09.07.2023	--	--

राष्ट्र की उन्नति के लिए व्यक्तित्व, राष्ट्रत्व व मानवत्व के बीच सामंजस्य जरूरी : प्रो. बी.के. कुठियाला

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के सभागार में 'मानवत्व, राष्ट्रत्व, व्यक्तित्व व क्रामिक विकास' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता पंचनद शोध संस्थान, अध्ययन केंद्र, चंडीगढ़ व हरियाणा गव्य उच्च शिक्षा परिषद के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर बी.के. कुठियाला उपस्थित रहे।

मुख्य वक्ता प्रोफेसर बी.के. कुठियाला ने अपने संबोधन में कहा कि हम कौन हैं, हमारी पहचान, अस्तित्व, दूसरों से संबंध व निर्भरता क्या है, इन सभी जिज्ञासाओं का ज्ञान व्यक्तित्व-राष्ट्रत्व व मानवत्व के शाब्दिक अर्थों में छिपा है और क्रमबद्ध तरीके से पहले व्यक्ति की

शुद्ध की पहचान फिर राष्ट्र और उसके बाद एक-दूसरे के बीच सामंजस्यता बढ़ाकर एक अलग ही पहचान देना क्रामिक विकास

दृष्टिकोण के साथ हम जिंदगी में आगे बढ़ते हैं तो हम मानस से दानव प्रवृत्ति की ओर बढ़कर अपना स्वयं का विनाश करेंगे।



कहलाता है। उन्होंने बताया कि यदि व्यक्ति को जिंदगी में सफल होना है और मोक्ष प्राप्त कर नर से नाशयण बनना है तो व्यक्तित्व, राष्ट्रत्व व मानवत्व के बीच सामंजस्यता व सकारात्मक सौच को अपनाना होगा। तभी उसका क्रामिक विकास संभव है। अगर नकारात्मक

उन्होंने बताया कि 1400 वर्ष पूर्व हमें भारतवासी, भारतीय, भारतवर्ष या फिर आर्यवंश कहा जाता था। अंग्रेजों ने हमारी पहचान ईंडियन बनाई। हमारे देश का इतिहास 20 हजार साल पुराना है। सब मानते हैं कि बहुत लंबा काल ऐसा रहा कि हम दुनिया में

हक्किय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के सभागार में संगोष्ठी का आयोजन हुआ

सर्वश्रेष्ठ संस्कृति, समाज और मजबूत राष्ट्र के रूप में जाने जाते थे। इसलिए हम दुनिया के सामने उदाहरण के तौर पर उभरे हैं। उन्होंने बताया कि यूरोपियन यूनियन ने अर्थशास्त्री एंगर्स मेडिसन को दुनिया के अर्थशास्त्र विषय पर जीर्ण से शुरुआत कर इतिहास लिखने को कहा। 3 साल बाद इस अर्थशास्त्री ने डाटा सहित रिपोर्ट पेश भी की। इस रिपोर्ट में बताया गया कि प्राचीन काल में 1400 ई.बी. तक भारत का जीड़ीय व अंतरराष्ट्रीय व्यापार अन्य देशों की तुलना में सबसे अधिक था।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	08.07.2023	--	--

राष्ट्र की उन्नति के लिए व्यक्तित्व, राष्ट्रत्व व मानवत्व के बीच सामंजस्य जरूरी : प्रो. बी.के. कुठियाला

एवं विकास के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के सम्बन्ध में राष्ट्रीयी का आयोजन हुआ।

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सम्बन्ध में विवरण प्रबंधन निदेशालय के सभागृह में 'सामंजस्य, राष्ट्रत्व, व्यक्तित्व व प्रगति' विषय पर एक गोपनीय का अध्येता किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता वर्षान्द गोपन संस्कार, अध्ययन और विद्यालय इन्डिया बड़वा इन्डिया विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर बी.के. कुठियाला उपस्थित रहे।

मुख्य वक्ता प्रोफेसर बी.के. कुठियाला ने अपने संक्षेप में कहा कि हम कौन हैं हमारे पहचान, अधिकार, यूरोपीय संस्कृत व निर्विदा क्या है, इन सभी विवादोंमें काउंटर ऑफिस-याकूब व गवर्नर के



लूटी के सम्बन्ध प्रबंधन निदेशालय के सम्बन्ध में व्यक्तित्व वर्षान्द में युवा वक्ता प्रोफेसर बी.के. कुठियाला नियोग लिया गया। व्यक्तिक अर्थ में हिया है और ज्ञानवद्धु वर्षान्द से पहले व्यक्ति की यह भी पहचान वित रहा और उसके बाद यह-युवा के बीच सामंजस्यवाचकार एवं अलग ही पहचान देता प्रगति का विषय विश्वविद्यालय के बीच सामंजस्यवाचकार व व्यक्तित्व की सम्बन्धित सीधी ताका फ्रीमियन विवरण होता। उन्होंने

वक्तव्य कि यह व्यक्ति को विद्यार्थी में व्यक्तित्व लेना है और योग्य प्राप्त करना से व्यवहार करना है तो व्यक्तित्व, राष्ट्रत्व व व्यक्तित्व के बीच सामंजस्यवाचकार व व्यक्तित्व की सम्बन्धित सीधी ताका फ्रीमियन

विवरण होता है। जब नक्काशालक युवियों के बीच इन विद्यार्थी में अपने योग्यता ही हो तो यह वक्ता दो युवा प्रगति की ओर अडाने अपने सभी का विद्या करते।

इससे पूर्व विश्वविद्यालय के

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय, यूनिवर्सिटी नियोग एवं मानविकी विश्वविद्यालय के अधिकार द्वारा, नीरज चौधरी ने भव्यताद व्रस्तान योग्य विद्यार्थी सभी योग्य संवादन प्रोत्साहन कुप्राप्त ने किया। इस अवसर पर प्रशासन योग्य संवादन, अध्ययन विद्या, विद्यार्थी के अध्यक्ष द्वारा, जनसेवा विद्या, उपकारण और अवनीश वर्मा, सरलजीवन व्यापार विद्या अन्य सदस्याएवं, शहर के विभिन्न संस्थानों के गवर्नर अधिकारी सहित विश्वविद्यालय से युवा प्रगति विश्वविद्यालय के अधिकारी, विधायक, विधायिक, वैज्ञानिक, सेवार्थी योग्य सहित अन्य कामियां भी गुणात्मक हुए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान समाचार	08.07.2023	--	--



हिसार: राष्ट्र की उन्नति के लिए व्यक्तित्व, राष्ट्रत्व व मानवत्व के बीच समर्जन स्थ जरूरी: प्रो. बीके कुठियाता

हक्कीरि के मानव रासायन प्रयोगित निर्देशालय के हमारार मे राशीही का अधिकार हिंदौर, ८ नुलाई (हि.स.)। पश्चिम गोप रासायन, अधिकार जैद, बड़ीगढ़ व हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के पूर्व अधिकार श्रोताराम बीके मुठियाला का कहना है कि राह की उत्पत्ति के लिए व्यक्तिगत, राहस्य व मानवता के लीय समजताना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि हम कीमत है, हमारी पढ़ायान, अधिकारी, दूसरों से हमें वह निभरता का है, हम सभी विज्ञानी और का उत्तर वर्गविज्ञान-राष्ट्रव व मानवता के विद्युक अपनी में छिपा है। वे शानिकांजी दशाएँ पूर्ण मानव साक्षात्कार प्रबलम निर्माणालय के हाथाधार में 'मानवता, राष्ट्रव, वर्गविज्ञान व अनिक विज्ञान' का विकास पर एक शानदारी की यत्त्व प्रत्यक्ष के तीर पर हाथीचटक फ़र रखे हैं।

उन्होंने बताया कि वही वर्षांक जो लिंगट्रॉफ में सापान दीना है और मोहू प्राप्त करने वाले नदी नामाचयन बनाना है तो जापिताम, राष्ट्रपति व मानवता के लीपांग शामेवरताम व एकाकारमन्त्र लोग जो असामा दीना, तभी उसका उप्रिका विकास होपाय है। आगे नक्काशमय दौर्विकाण के साथ इन लिंगट्रॉफ में आगे बढ़ने दृष्टि हम मनवा दें दशव्य प्रसूति की ओर बढ़ाकर अपना रथय का विकास करेंगे। उक्तोंने बताया कि 1400

अपोलो ने हमारी पहचान हाइड्रेन बनाई। इसके द्वारा का इतिहास 20 हजार लाट
पुराणा है। सब मानते हैं कि बहुत लोगों का यह रासा कि हम तुम्हें में साक्षित
साक्षिति, समाज और भौतिक रास के स्पष्ट में जाने जाते हैं, यद्यपि इस तुम्हें के
साथ साक्षिति के तो यह उभयं है। अपोलोन यूनिवर्सिटी ने अपोलोली शर्करा-

मेडिलन की दुषिता के अपराह्नकाल विषय पर जीर्णों से शूलभ्रत कर इतिहास लियाने की जगह, उसके बाद एवं उसकी दूषिता में जारी रहने वाली विषय दृष्टि देखा भी जाए।

द्वारा पूर्ण विश्वासात्मक तथा मानव संसाधन प्रबलता निर्देशक डॉ. नव्यु नेहता ने

डॉ. वीरेन कुमार ने धनवाद किया। इस अवसर पर पद्मनाथ शोध संस्कारण,

अधिकारी जैद, हिसार के अधिकारी डॉ. जगद्वार सह, प्रबन्धक डॉ. अमरपत्र बना, शासकार शान्ति, विद्या, अन्य सामर्थ्यमण, बाहर के विभिन्न राजनीति के गठनमाला

यासि रहित प्रधानियालय से युद्ध किया गया महाविद्यालय के लिए दृष्टिकोण, विभागाधीक, विकासाधीक, वेत्तनिक, सोशलर्स हाई अफिल और जनसंघीय भी समिति है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम नम छोर	दिनांक 08.07.2023	पृष्ठ संख्या --	कॉलम --

भारत का इतिहास सबसे पुराना व सबसे समृद्ध : प्रौ. कुठियाला

हकूमि के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के सभागर में संगोष्ठी का आयोजन

नम-छोर न्यूज ॥ 08 जुलाई

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के सभागर में मानवत्व, राष्ट्रत्व, व्यक्तित्व व क्रांतिक विकास विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता पंचनंद शोध संस्थान, अध्ययन केंद्र व हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के पर्व अध्यक्ष प्रौ. बीके कुठियाला उपस्थित रहे। प्रौ. कुठियाला ने कहा कि हम कौन हैं, हमारी प्राप्ति को जिंदगी में सफल होना है और मोक्ष क्या है, इन सभी जिज्ञासाओं का उत्तर



व्यक्तित्व-राष्ट्रत्व व मानवत्व के शास्त्रिक अर्थों में हिला है और क्रमबद्ध तरीके से पहले व्यक्ति की खुद की पहचान फिर राष्ट्र और उसके बाद एक दूसरे के बीच सामंजस्यता बढ़ाकर एक अलग ही पहचान देना क्रांतिक विकास कहलाता है। उन्होंने बताया कि यदि व्यक्ति को जिंदगी में सफल होना है और मोक्ष प्राप्त कर नर से नरायण बनना है तो

व्यक्तित्व, राष्ट्रत्व व मानवत्व के बीच सामंजस्यता व सकारात्मक सोच को अपनाना होगा। तभी उसका क्रांतिक विकास संभव है। अगर नकारात्मक दृष्टिकोण के साथ हम जिंदगी में आगे बढ़ते हैं तो हम मानस से दानव प्रवृत्ति की ओर बढ़कर अपना स्वर्य का विनाश करेंगे।

उन्होंने बताया कि 1400 वर्ष पूर्व हमें

भारतवासी, भारतीय, भारतवर्ष या फिर आयंव्रत कहा जाता था। अग्रिमों ने हमारी पहचान इडियन बनाई। हमारे देश का इतिहास 20 हजार साल पुराना है। सब मानते हैं कि बहुत लंबा काल ऐसा रहा कि हम दुनिया में सर्वश्रेष्ठ संस्कृति, समाज और मजबूत राष्ट्र के रूप में जाने जाते थे। इसलिए हम दुनिया के सामने उदाहरण के तौर पर उभरे हैं। हमारे देश का इतिहास सबसे पुराना व सबसे समृद्ध रहा है। उन्होंने बताया कि क्रांतिकारी भगत सिंह जैसे अनेक शहीदों ने शहादत को स्वीकार किया और एक इच्छा व्यक्त की थी कि मैं अगला जन्म भी इसी भारत में लूँ। ये व्यक्तित्व से राष्ट्रत्व का विकास है। इस मौके पर डॉ. मंजू मेहता, डॉ. नीरज कुमार, मोहित कुमार, डॉ. जगवीर सिंह, प्रौ. अद्यनीश दर्मा, ज्ञानचंद बंसल आदि मौजूद थे।